विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

बारिश बीमा योजना के तहत एक करोड़ के चेक बांटे

- पशुधन बीमा योजना भी शुरू की इफको टोक्यो जनरल इंश्योरेंस ने
- इफको किसानों की फसल बीमा भी शुरू करेगी : चेयरमैन

जागरण संवाददाता, अबोहर : बारिश बीमा योजना के तहत इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने मंगलवार को अबोहर-फाजिल्का क्षेत्र के 433 किसानों को 1.08 करोड़ के चेक वितरित किए। इस मौके पर अपने लाइवस्टाक इंश्योरेंस प्रोडक्ट पशुधन बीमा की शुरूआत करने की घोषणा भी की।

अबोहर-फाजिल्का रोड पर स्थित सहकारी चीनी मिल बोदीवाला में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थिति को संबोधित करते हुए इफको के चेयरमैन सुरेन्द्र जाखड़ ने कहा कि यह पहली कम्पनी है जिसने पूरे विश्व में किसानों के लिए खाद के साथ ही बीमा योजना को शुरू किया है। इफको किसानों की फसल बीमा भी शुरू करेगी तथा वह सेटेलाइट के जरिए सही फसल की जानकारी हासिल कर सकेगी, अगर कहीं सुनामी, भूकम्प या तेज बारिश के कारण किसानों की फसल बर्बाद हो जाती है तो किसान को नुकसान की भरपाई होगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अबोहर के विधायक सुनील जाखड़ ने कहा कि भाखड़ा व पौंग डैम का स्तर 40 फुट नीचे आ जाने के कारण आने वाले दिनों में पीने वाले पानी की भी कमी आ सकती है, इसलिए सरकार को चाहिए कि वह किसानों को अन्य फसलों की तरफ मोड़ने के लिए उन्हें बीज व जानकारी मुहैया करवाये तथा उसकी फसल को खरीदने का पुख्ता प्रबंध करे ताकि किसानों को मंडियों में भटकना न पड़े। जाखड़ ने कहा कि पंजाब एग्रीकल्चर यूनीवर्सिटी के सर्वे के मुताबिक पंजाब में किसानों के पास 4 लाख ट्रैक्टर हैं जबकि जरूरत केवल 1 लाख की है, इसलिए किसानों को मुनाफा कम हो रहा है। किसानों को चाहिए कि को-आप्रेटिव सोसायटी के सहयोग से ही अपनी खेती करें।

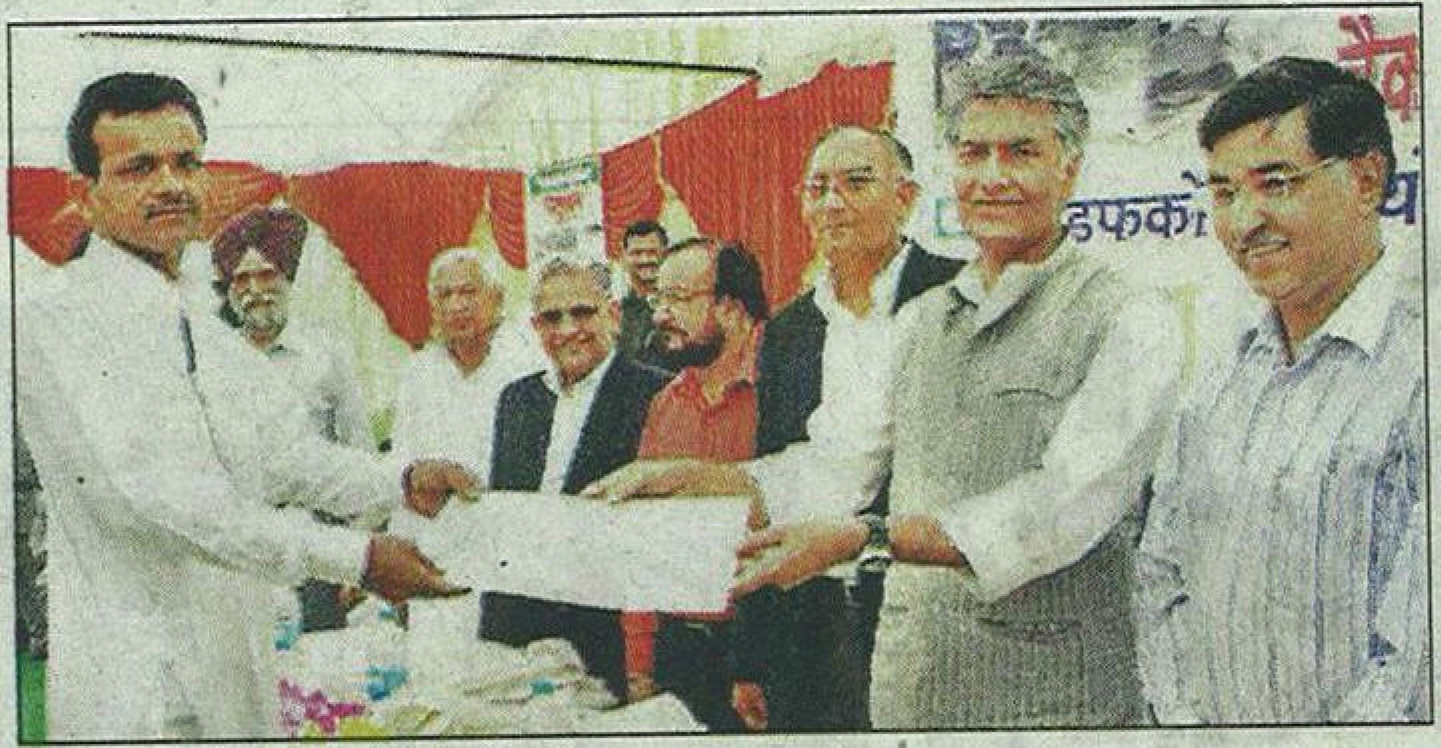

बारिया बीमा योजना के चेक बांटते हुए विधायक सुनील जाखड़, इफको चेयरमैन सुरेंद्र जाखड़ व अन्य। जागरण

इस मौके पर पशुधन बीमार योजना की शुरुआत करने की घोषणा भी की गई। पशुधन बीमा योजना के बारे में जानकारी देते हुए कंपनी के डायरेक्टर मार्केटिंग एनके केडिया ने बताया कि कंपनी इसके लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेंटीफिकेशन डिवाइस का उपयोग करेगी। इस तकनीक से दावे का जल्द व तेजी से निपटान करने में मदद मिलती है। इस उत्पाद को इस तरह तैयार किया गया है कि यह पशु पालकों को बीमारियों, प्राकृतिक आपदाओं और दुघर्टनाओं के कारण होने वाली मौत से पैदा होने वाले जोखिम को कवर कर सके।